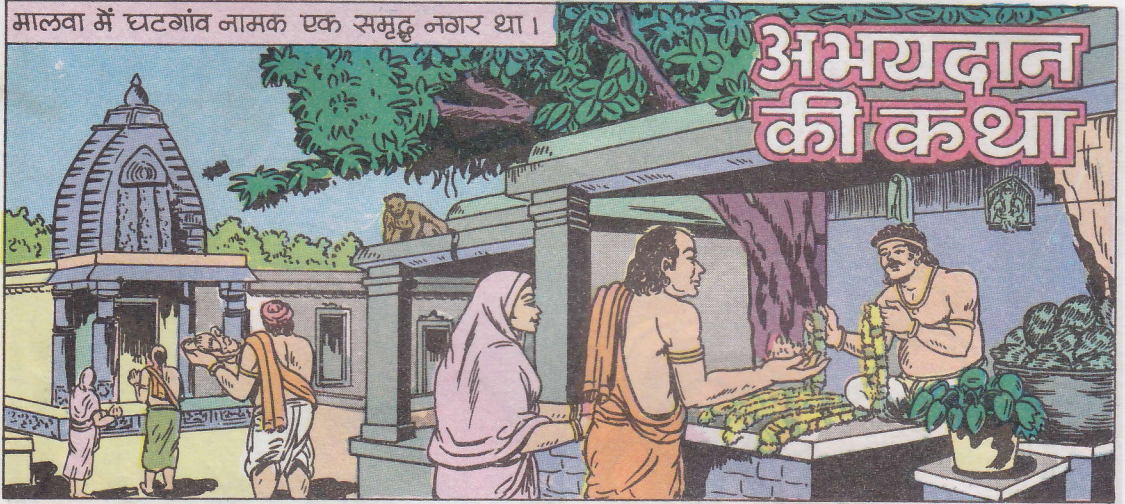
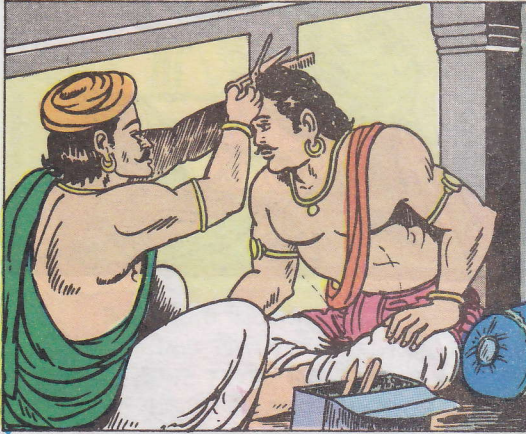


मालवा में घटगांव नामक एक समृद्ध नगर था।



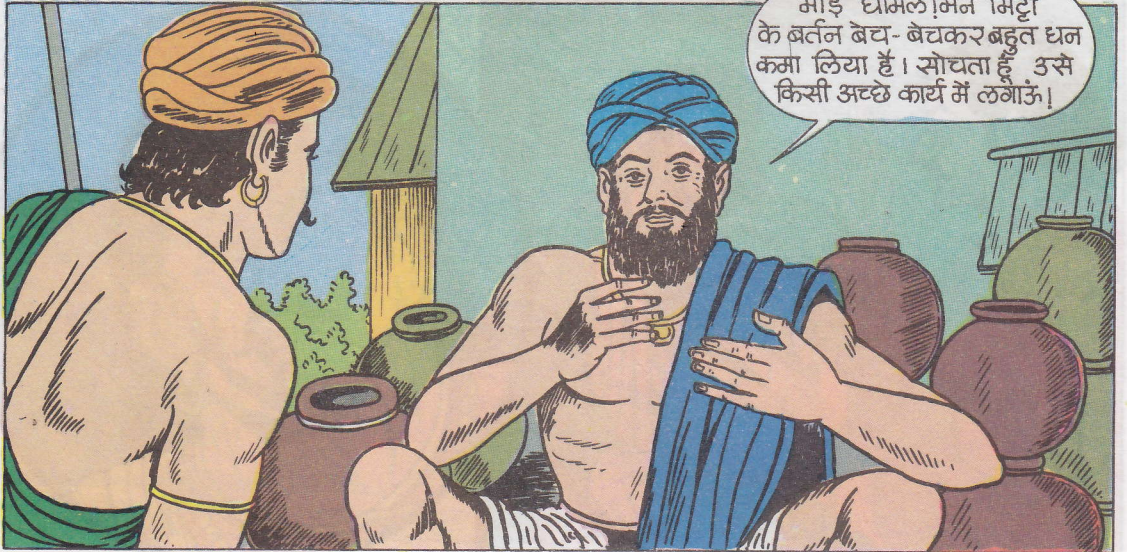
और धर्मिल नामक एकनाई रहता था।



यहां देवलि नामक एक कुम्हार रहता था।



एक दिन---



भाई धर्मिल! मैंने मिट्टी के बर्तन बेच-बेचकर बहुत धन कमा लिया है। सोचता हूँ उसे किसी अच्छे कार्य में लगाऊँ।